गिरिराज सिंह
GIRIRAJ SINGH

सत्यमेव जयते

वस्त्र मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF TEXTILES
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

भाषा, सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का अभिन्न रूप होने के साथ-साथ विचारों को अभिव्यक्त करने का भी बहुत सहज माध्यम है। सदियों से भारत विविध भाषाओं और बोलियों वाला विशाल देश रहा है और हिंदी के समृद्ध भाषा होने से यह सर्वमान्य है कि हिंदी स्पष्ट रूप से पूरे देश में संपर्क भाषा की भूमिका निभा सकती है। भारत की संविधान सभा ने हिंदी के इसी महत्व को समझते हुए, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। इसी उपलक्ष्य में हम प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं।

आज के आधुनिक युग में नई-नई तकनीकों का प्रयोग बढ़ रहा है। इन तकनीकों ने हिंदी भाषा में काम करना सरल बना दिया है जो हमारे देश के आर्थिक विकास में भी योगदान दे रहा है चाहे वह 'आत्मनिर्भर' भारत की संकल्पना हो या 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना। गत कई वर्षों से भारत सरकार का हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने पर निरंतर जोर रहा है। वस्त्र मंत्रालय अपने कार्यों और दायित्व के निर्वहन के माध्यम से सीधे आम लोगों से जुड़ा है, इसलिए वस्त्र मंत्रालय में भी राजभाषा हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है जो हमारे शासकीय कामकाज में परिलक्षित होता है।

हिंदी दिवस के अवसर पर वस्त्र मंत्रालय और इसके सभी कार्यालयों के समस्त वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक यह निश्चय करें कि हम अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करते हुए अपने शासकीय कामकाज में सरल और सुबोध हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे और अपने राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे।

(गिरिराज सिंह)

Office : 'A'-Wing, Ground Floor, Udyog Bhawan, New Delhi-110011
Tel. : 23060582, 23061385, 23063121, Fax : 23063182
E-mail : minister.textiles@gov.in